WHO द्वारा पहले Mpox डायग्नोस्टकि टेस्ट को मंज़ूरी

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में विश्व **स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने** अपनी आपातकालीन उपयोग सूची प्रक्रिया के तहत पहली **Mpox इन विट्रो डायग्नोस्टकि** को सूचीबद्ध किया है।

- **Mpox (जिसे मंकीपॉक्स** के नाम से भी जाना जाता है) एक **डीएनए वायरस** है। इसे **पहली बार वर्ष 1958 में बंदरों में पहचाना गया था,** लेकिन बाद में इसका संक्रमण मनुष्यों में भी देखा गया।
- **संचरण: यह मुख्यतः पशुओं (विशेषकर कृन्तकों और प्राइमेट्स) से प्रत्यक्ष संपर्क या दूषित वस्तुओं के माध्यम से मनुष्यों में संचारित होता है।**

- लक्षण: बुखार, सिरदर्द, माँसपेशियों में दर्द तथा विशिष्ट प्रकार के फोड़े फुँसियों की समस्या को देखा जाता है।

- वैश्विक प्रकोप: अगस्त 2024 में WHO ने Mpox प्रकोप को लोक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है, जिससे इसके प्रसार को नियंत्रित करने के लिये समन्वित प्रयास किये गए।

- आपातकालीन परीक्षण:
  - **एबॉट मॉलिक्यूलर इंक द्वारा विकसित एलनिटी m MPXV एस्से** के आपातकालीन उपयोग की मंज़ूरी से Mpox का सामना कर रहे देशों में **नैदानिक क्षमता को बढ़ाने के क्रम में महत्वपूर्ण** सफलता मिलेगी।
  - वर्तमान में **भारत भर की 35 प्रयोगशालाएँ** Mpox के संदिग्ध मामलों की जाँच करने हेतु समर्पित हैं।

और पढ़ें: WHO ने मंकीपॉक्स को PHEIC घोषित किया

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/who-approves-first-mpox-diagnostic-test